



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 336]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 22, 1979/श्रावण 31, 1901

No. 336]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 22, 1979/SRAVANA 31, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

प्रादेश

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1979

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 22nd August, 1979

कां०आ० 476 (अ)/18कक/उ०वि०वि०अ०/79.—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० कां०आ० 112(अ)/आई०डी०आर०ए०/79 तारीख 26 फरवरी, 1979 द्वारा मेसर्स ब्रेन्टफोर्ड इलेक्ट्रिक (इन्डिया) लिमिटेड, कलकत्ता के नाम से शांत औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन छः महीने की अवधि के लिए अर्थात् 25 अगस्त, 1979 (जिसमें यह दिन भी शामिल है) तक, ग्रहण किया था और एन्ड्रयू यूल एण्ड कम्पनी लि०, कलकत्ता, को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।

और भारत सरकार की राय है कि लोकहित में यह सीमावर्ती है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम को एक वर्ष की और अवधि के लिए एन्ड्रयू यूल एण्ड कम्पनी लिमिटेड, के प्रबन्धनत्व के अधीन बने रहना चाहिए।

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि ऊपर उल्लिखित आदेश एक वर्ष अर्थात् 25 अगस्त, 1980 तक (जिसमें यह दिन भी शामिल है) की और अवधि के लिए भावी बना रहेगा।

[सं० फा० 5/14/78-सी०यू०सी०]

S.O. 476(E)/18AA/IDRA/79.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 112(E)/18AA/IDRA/79, dated 26th February, 1979, the management of the Industrial Undertaking known as Messrs. Brentford Electric (India) Limited, Calcutta, was taken over under clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of six months upto and inclusive of 25th August, 1979 and the Andrew Yule & Company Limited, Calcutta, was authorised to take over the management of the said industrial undertaking ;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Andrew Yule & Company Limited for a further period of one year ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the said Act, the Central Government hereby directs that the order mentioned above shall continue to have effect for a further period of one year up to and inclusive of the 25th August, 1980.

[F. No. 5(14)/78-CUC]

कां०आ० 477(अ)/18 एफ०बी०/आई०डी०आर०ए०/79.—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के दो आदेशों सं० कां०आ० 124(अ)/18 एफ०बी०/आई०डी०आर०ए०/79 तारीख 5 मार्च, 1979 तथा सं० कां०आ० 130 (अ)/18 एफ०बी०/आई०डी०आर०ए०/79 तारीख 9 मार्च 1979 (जिन्हें इसके पश्चात् उक्त आदेश कटा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियम) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18बख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा की थी कि उक्त आदेशों के जारी होने की तारीखों के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसे सभी संधिदात्रों, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थानों, पचाटों, स्थाई आदेशों या अन्य लिखतों, जिनका संसर्ग ब्रेन्टफोर्ड इलैक्ट्रिक (इन्डिया) लि० कलकत्ता नाम से ज्ञात औद्योगिक उपक्रम, एक पक्षकार है या जो उक्त उद्योगिक उपक्रम पर लागू हो सकते हों, का प्रवर्तन 25 अगस्त, 1979 तक की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उनके अधीन प्रौद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार बाधाएँ, और 25 अगस्त, 1979 तक (जिसमें यह दिन भी शामिल है) की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा।

और केन्द्रीय सरकार इस बारे में सन्तुष्ट हो गई है कि उक्त आदेश की अवधि एक वर्ष के लिए अर्थात् 25 अगस्त, 1980 तक (जिसमें दिन भी शामिल है) और बढ़ा दी जानी चाहिए।

अतः अब उद्योग (विकास और विनियम) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18बख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त आदेशों की अवधि 25 अगस्त, 1980 तक जिसमें यह दिन भी शामिल है, बढ़ाती है।

[सं० फा० 5/14/78-सी०यू०सी०]
ब० राय, संयुक्त सचिव

S.O. 477(E)/18FB/IDRA/79.—Whereas by two Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 124(E)/18FB/IDRA/79, dated the 5th March, 1979 and No. S.O. 130(E)/18FB/IDRA/79, dated the 9th March, 1979 (hereinafter referred to as the said orders), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), had declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments, in force immediately before the dates of issue of the said orders to which the industrial undertaking known as Messrs. Brentford Electric (India) Limited, Calcutta was a party or which might be applicable to the said industrial undertaking, should remain suspended for a period upto the 25th August, 1979 and that all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date should remain suspended for a period up to and inclusive of 25th August, 1979 ;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said orders should be extended for a further period of one year up to, and inclusive of, the 25th August, 1980 :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said orders upto, and inclusive of, the 25th August, 1980.

[F. No. 5(14)/78-CUC]

B. ROY, Joint Secy.